जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 132
दिनांक 22.08.2023

अनुसंधान परियोजनाओं का डिजिटलाइजेशन होना छात्र, किसानों और वैज्ञानिकों हेतु मील का पत्थर साबित होगा –कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा

जनेकृविवि में परियोजनाओं की संपूर्ण जानकारी ऑनलाइन प्राप्त होगी

जबलपुर 22 अगस्त, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की प्रेरणा से विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं का डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है। इस विषय पर कुलपति डॉ. पीके मिश्रा ने कहा कि शोध कार्यो को बेहतर दिशा एवं बेहतर कार्य हेतु यह कार्य छात्र, किसानों और वैज्ञानिकों हेतु मील का पत्थर साबित होगा।

दरअसल संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू के मार्गदर्शन में संचालित विभिन्न परियोजनाओं का डिजिटलाइजेशन किया जा रहा है। संचालक अनुसंधान सेवायें डॉ. जी.के. कौतू ने बताया कि वर्तमान में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं जिनकी वर्तमान में संख्या 33 है, इनका भारत सरकार की वेबसाइट पी.आई.एम.एस. (PIMS) आईसीएआर के तहत रजिस्ट्रेशन का कार्य संपन्न करा लिया गया है। इसी तारतम्य में आगे विभिन्न परियोजनाओं में किए जा रहे कार्यों का बिंदुवार विवरण, वित्तीय जानकारी, उपलब्धियां एवं महत्वपूर्ण फोटोग्राफ्स को प्रस्तुत किया जा रहा है, इस प्रकार से परियोजनाओं का ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से वैश्विक स्तर पर प्रत्येक व्यक्ति द्वारा त्वरित जानकारी क्लिक करते ही प्राप्त हो जाएगी। कृषि अनुसंधान की उपलब्धियां एवं किसान हितैषी कार्यों व कृषि से संबंधित वैज्ञानिकों हेतु यह जानकारी विशेष रूप से उपयोगी सिद्ध होगी।

डॉ. कौतू ने बताया कि कभी–कभी एक ही कार्य एवं अनुसंधान कई जगह पर संपन्न हो रहे होते हैं, जिससे समय एवं धन की बर्बादी होती है, इस कार्य से एक ही प्रकार के कार्यों का रिपीटेशन नहीं होगा। ऑनलाइन प्लेटफार्म के माध्यम से संबंधित परियोजनाओं की जानकारी एवं विवरण प्रस्तुत किया जाएगा जो हर समय ऑनलाइन उपलब्ध रहेगी। परियोजनाओं में सम्मिलित विभिन्न फसलों की क्षेत्र विशेष की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए, जो किस्म विकास व तकनीकी संबंधित शोध कार्य किये जा रहे हैं, उन्हें भी सम्मिलित कर ऑनलाइन माध्यम से समाधान उपलब्ध कराया जा सकेगा।

डॉ. कौतू ने बताया कि विश्वविद्यालय की समस्त शोध कार्यों का डिजिटल रूप में एक ही स्थान पर एक क्लिक करने पर संपूर्ण जानकारी विभिन्न परियोजनाओं की प्राप्त हो जाएगी। जिसका बेहतर लाभ कृषि छात्र एवं छात्राएं, किसान एवं वैज्ञानिकों को होगा। आगामी समय में यह कार्य कृषि के क्षेत्र में अति उपयोगी साबित होगा।